मुझे मिल गया मन का मीत

मुझे मिल गया मन का मीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ॥
मेरी लगी गुरु संग प्रीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
*क्या जाने भई क्या जाने ॥
मुझे मिल गया मन का मीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
मेरी लगी गुरु संग प्रीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।

बाजी जब गुरुवर पे लगाई ।
पलट गया पासा मेरे भाई ॥
मेरी हार हो गई जीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
मुझे मिल गया मन,,,,,,,,,,,F

प्रीतम ने खुद प्रेम जताया ।
करके इशारा पास बुलाया ॥
है प्रेम की उलटी रीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
मुझे मिल गया मन,,,,,,,,,,,F

ताल अलग है राग अलग है ।
ये वैराग अनुराग अलग है ॥
मन गाए किसके गीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
मुझे मिल गया मन,,,,,,,,,,,F

सत्संगी होकर जो सीखा ।
काम क्रोध खोकर जो सीखा ।
कैसा है ये संगीत,
ये दुनियाँ क्या जाने ।
मुझे मिल गया मन,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24607/title/mujhe-mil-gaya-man-ka-meet

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |